फोर्स मोटर्स का 3 साल में 3,000 करोड़ रुपए कारोबार का लक्ष्य

चेन्नई, जेएनएन। पुणे की कंपनी फोर्स मोटर्स को 3 साल में अपना कारोबार तिगुना यानी 3,000 करोड़ रुपए पर पहुंच जाने की उम्मीद है। कंपनी को भरोसा है कि वह प्रमुख वाहन कंपनियों मसलन मर्सिडीज बेंज और बीएमडब्ल्यू से अनुबंध विनिर्माण कारोबार के जरिए यह लक्ष्य पा लेगी।

फोर्स मोटर्स के प्रबंध निदेशक प्रसन फिरोदिया ने कहा कि हम मूल उपकरण विनिर्माता (ओ.ई.एम.) कारोबार में हैं। हम वाहन बनाते हैं। हम बीएमडब्ल्यू व जॉन डेरे जैसी कंपनियों के लिए ओईएम का काम करते हैं। हम 3,000 करोड़ रुपए का राजस्व इन कारोबार से हासिल करेंगे। हमारा अनुमान है कि इसमें 3 साल का समय लगेगा। उन्होंने बताया कि फिलहाल ओईएम कारोबार से कंपनी का राजस्व करीब 1,000 करोड़ रुपए है। फिरोदिया यहां चेन्नई संयंत्र के औपचारिक उद्घाटन के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। इस संयंत्र में जर्मनी की कार कंपनी बीएमडब्ल्यू के लिए पावर ट्रेंस का उत्पादन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह वैश्विक स्तर पर बीएमडब्ल्यू का पहला आऊटसोर्स कारखाना है। किसी अन्य विनिर्माता ने पहले ऐसा नहीं किया है। हम दुनिया की पहली कंपनी है जो मर्सिडीज व बीएमडब्ल्यू दोनों के लिए पावर ट्रेंस बनाते हैं।

कंपनी मर्सिडीज बेंज के लिए एक समर्पित विनिर्माण संयंत्र लगा रही है। फिरोदिया ने कहा कि पुणे में चाकन में हमारे संयंत्र में हम मर्सिडीज बेंज के लिए एकदम नई सुविधा का निर्माण कर रहे हैं, जिसमें ऊंची क्षमता तथा सबकुछ होगा। हालांकि, उन्होंने यूनिट में प्रस्तावित निवेश और अन्य ब्यौरा देने से इनकार किया। फिरोदिया के अनुसार मर्सिडीज बेंज के साथ 1997 में भागीदारी होने के बाद से 50,000 से अधिक इंजन की आपूर्ति की जा चुकी है। चेन्नई से करीब 55 किलोमीटर दूर सिंगापेरमल्कायल कारखाने के बारे में उन्होंने कहा कि इसमें 200 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है। इस कारखाने में जर्मनी की लग्जरी कार कंपनी बीएमडब्ल्यू की कारों व एसयूवी के लिए डीजल इंजनों का विनिर्माण किया जाएगा। यह कारखाना महिंद्रा वर्ल्ड सिटी में स्थित है। यह इकाई बीएमडब्ल्यू समूह का पहला स्वतंत्र संयंत्र है जहां इंजन असेंबल किए जाते हैं और उनका परीक्षण किया जाता है। फोर्स मोटर्स के प्रबंध निदेशक ने कहा कि चेन्नई कारखाने में करीब 200 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है।